गेहूं तुलाई में देरी से नाराज किसानों ने किया चक्काजाम

▸ सिलवानी-उदयपुरा रोड पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित, प्रशासन ने बढ़ाए तुलाई कांटे

सिलवानी, 10 मई. स्टेट हाईवे-44 स्थित सिलवानी-उदयपुरा रोड पर रविवार चिलचिलाती धूप में किसानों ने गेहूं तुलाई में हो रही देरी को लेकर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया. बड़ी संख्या में किसान सड़क पर बैठ गए, जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात करीब एक घंटे तक प्रभावित रहा.

जानकारी के अनुसार चुनेटिया सोसायटी के अंतर्गत पटेल वेयरहाउस में गेहूं उपार्जन एवं तुलाई का कार्य चल रहा है.किसानों का आरोप है कि लंबे समय से तुलाई कार्य बेहद धीमी गति से हो रहा है, जिसके कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.किसानों का कहना है कि कई दिनों से उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गेहूं से भरी हुई खड़ी हैं, लेकिन समय पर तुलाई नहीं होने से उन्हें आर्थिक नुकसान की आशंका सताने लगी है.

विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के नेता भी शामिल हुए.किसानों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की.किसानों का कहना था कि मौसम खराब होने और बारिश की संभावना के चलते खुले में रखा गेहूं खराब हो सकता है, जिससे उपज की गुणवत्ता प्रभावित होगी और तुलाई में भी दिक्कतें आएंगी.

नायब तहसीलदार गौरव शुक्ला, सिलवानी थाना प्रभारी संजीत परते तथा जैथारी पुलिस चौकी प्रभारी सुनील सिंह भदौरिया मौके पर पहुंचे.अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और तुलाई व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया.

नायब तहसीलदार गौरव शुक्ला ने चुनेटिया सोसायटी समिति प्रबंधक एवं वेयरहाउस संचालक को तत्काल अतिरिक्त तुलाई कांटे बढ़ाने तथा तुलाई कार्य तेज गति से कराने के निर्देश दिए.साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से बाहर खड़ी किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को वेयरहाउस परिसर के अंदर करवाया गया. प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई और आश्वासन दिए जाने के बाद किसानों ने करीब एक घंटे बाद चक्काजाम समाप्त कर दिया, जिससे यातायात सुचारु रूप से शुरू हो सका और जाम में फंसे लोगों ने राहत की सांस ली.

इनका कहना है

शनिवार को अचानक बारिश होने के कारण उपार्जन कार्य प्रभावित हुआ था .अब चुनेटिया सोसायटी समिति प्रबंधक एवं वेयरहाउस संचालक को अतिरिक्त तुलाई कांटे बढ़ाने और तुलाई कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए गए हैं .साथ ही बाहर खड़ी किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सुरक्षा की दृष्टि से अंदर करवाया गया है .

गौरव शुक्ला, नायब तहसीलदार

श्रीराम-जानकी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा

▸ उदयपुरा में भव्य शोभायात्रा निकाली गई

उदयपुरा, 10 मई. नए मंदिर में भगवान श्री राम,जानकी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई. श्री राम महायज्ञ, श्री वाल्मीकि रामायण महोत्सव एवं राम कथा प्रवचन के सातवें दिन पवित्र एवं शुभ अभिजीत मुहूर्त में नवनिर्मित विशाल राम मंदिर के गर्भगृह में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, माता जानकी, एवं निर्धारित गर्भ ग्रह में श्री राधा-कृष्ण, मां नर्मदा एवं शिव परिवार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुई.

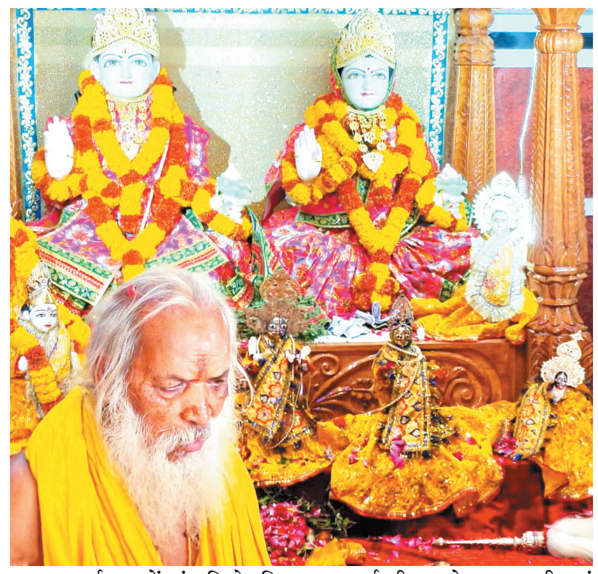

यह आयोजन श्री रसिक पीठाधीश्वर अनंत विभूषित श्री श्री 1008 श्री महंत जन्मेजय शरण जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में संत शिरोमणि डॉ. राघवाचार्य जी, दशरथ महल पीठ उत्तराधिकारी आचार्य श्री बिंदु गाद्दाचार्य जी, प्रयागराज पीठ के आचार्य श्री अवधेश शरण जी एवं शंकराचार्य सनातनी स्वामी मंगल दास जी उधमपुर मंजुल महाराज जी सहित अनेक संत-महात्मा, यज्ञाचार्य, शास्त्री एवं विद्वान आचार्यों की उपस्थिति रही. भगवान श्री राम जानकी, श्री राधा-कृष्ण, मां नर्मदा एवं शिव परिवार की भव्य शोभायात्रा निकाली गई.शोभायात्रा में सर्वप्रथम विघ्न विनाशक भगवान श्री गणेश एवं उनके परिवार की आकर्षक झांकी शामिल रही. इसके पश्चात भगवान श्री राम-जानकी एवं श्री राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियां निकाली गईं. अयोध्या से पधारी रामलीला मंडली द्वारा भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण की जीवंत झांकी रथ पर सवार होकर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही. नगर में जगह-जगह पुष्पवर्षा, तोरण द्वार एवं रंगोलियों के माध्यम से शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया.

संतों का सान्निध्य देता है सार्थक दिशा : डॉ. राघवाचार्य

प्राण प्रतिष्ठा के बाद आयोजित राम कथा प्रवचन में सुप्रसिद्ध संत डॉ. राघवाचार्य जी ने कहा कि संतों का सान्निध्य एवं श्रेष्ठ लोगों की संगति जीवन को रचनात्मक और सार्थक दिशा प्रदान करती है, जबकि बुरी संगति व्यक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जाती है. अयोध्या से पधारे श्री चक्रवर्ती सम्राट दशरथ महल के उत्तराधिकारी श्रद्धेय बिंदु गाद्दाचार्य जी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का अभिन्न अंग है, किंतु वर्तमान समय में शिक्षा के मूल्यों का अवमूल्यन होता जा रहा है. समाज को संस्कारयुक्त एवं मूल्य आधारित शिक्षा को अपनाना चाहिए. समाजसेवी नानजी भाई खीमजी भाई ठक्कर थाने वाले ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की सेवा है.

जबलपुर में तेलिक साहू सम्मेलन 23 को

उदयपुरा, 10 मई. अखिल भारतीय तेलिक साहू सभा और मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा का राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 23 और 24 मई को जबलपुर में आयोजित किया गया है. इस संबंध में एक बैठक हुई, जिसमें तैयारियों पर चर्चा की गई. बैठक में जबलपुर के नवनियुक्त पदाधिकारी का सम्मान किया गया. 23 मई को मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा के नवनियुक्त पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह होगा. 24 मई को राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण सम्मेलन होगा. इसी दिन राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी होगी.

मकान गणना में प्रथम आए बेगमगंज सीएमओ सम्मानित

बेगमगंज, 10 मई. जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकानों को सूचीबद्ध करके मकान गणना में प्रभावी कार्यप्रणाली, सुदृढ़ मॉनिटरिंग एवं व्यापक जनसहभागिता के बल पर बेगमगंज में अग्रणी स्थान पर आए चार्ज अधिकारी नगरपालिका सीएमओ राजेन्द्र शर्मा का सम्मान किया गया.

रायसेन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पवार ने पूर्व मंत्रीद्वय डॉ. प्रभुराम चौधरी, सुरेंद्र पटवा, रामपाल सिंह, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत सिंह मीणा, सीईओ कमल सोलंकी सहित अन्य प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया.

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक के दौरान मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार ने बेगमगंज एसडीएम सौरभ मिश्रा, तहसीलदार प्रमोद उइके सहित जिले के अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र दिए. इस अवसर पर प्रभारी मंत्री सिंह ने कार्य की प्रशंसा करते हुए कहाकि कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में रायसेन जिले ने मकान सूचीकरण एवं आवास गणना में मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है. रायसेन जिले ने एक बार पुनः सिद्ध किया है कि जब नेतृत्व, टीम और जनभागीदारी साथ हो तो परिणाम असाधारण होते है.स्वगणना में प्रदेश में प्रथम रहने के बाद अब मकान सूचीकरण में भी रायसेन जिले ने शीर्ष स्थान अर्जित किया है.यह उपलब्धि जिले के प्रत्येक प्रगणक, पर्यवेक्षक, चार्ज अधिकारी और नागरिकों के सामूहिक परिश्रम का प्रतिफल है.इसलिए आज सभी सम्मान के हकदार हैं और उन्हें हम सम्मानित करते हुए गौरान्वित हैं।

प्रभारी मंत्री ने एसडीएम चौधरी को रायसेन में किया सम्मानित

सिलवानी, 10 मई. जनगणना के तहत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में नगर पंचायत सिलवानी, नवीन नगर पंचायत कस्बा बम्होरी एवं ग्रामीण सिलवानी ने जिले और प्रदेश में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है.इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला मुख्यालय रायसेन में आयोजित सम्मान समारोह में सिलवानी के एसडीएम हर्षल चौधरी को प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पवार, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा एवं अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि यह उपलब्धि पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और सामूहिक सहयोग का परिणाम है.उन्होंने कहा कि तहसीलदार सुधीर शुक्ला, नायब तहसीलदार गौरव शुक्ला, जनपद पंचायत सीईओ नीलम रैकवार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ऋषिकांत यादव समेत सभी कर्मचारियों ने टीम भावना के साथ कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया. जिसके लिए पूरी टीम बधाई और धन्यवाद की पात्र है.एसडीएम चौधरी ने यह भी कहा कि अनुविभागीय कार्यालय सिलवानी द्वारा शीघ्र ही इस कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा.

मास्टर ट्रेनर एवं सुपरवाइजर डॉ. लक्ष्मीकांत नेमा ने बताया कि एसडीएम हर्षल चौधरी ने पूरी टीम को बेहतर दिशा-निर्देश दिए और उत्साहवर्धन किया.

नरवाई की आग से 3 लाख रु. के सिंचाई के पाइप जले

बेगमगंज, 10 मई. ग्राम मरखेड़ा टप्पा में खेत की नरवाई में लगी आग से किसान वीरेंद्र भार्गव के कृषि सिंचाई के पाइप जल गए. इनकी कीमत करीब 3 लाख रुपए है. पीड़ित किसान वीरेंद्र भार्गव ने बताया कि उनके खेत के कुछ दूर पर एक खेत में नरवाई जल रही थी.जिसकी आग फैलते हुए उनके खेत तक आ पहुंची और पूरी सिंचाई पाइप लाइन को अपनी चपेट में ले लिया.

घटना की जानकारी लगते ही एसडीएम सौरभ मिश्रा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे.उन्होंने पीड़ित किसान को उचित मुआवजा देने के लिए आश्वासन दिया. गौरतलब है कि तहसील में 200 स्थानों से ज्यादा नरवाई जलाने की घटनाएं हो चुकी हैं और आग से लाखों रुपए का नुकसान हो चुका है. आए दिन कहीं ना कहीं नरवाई जलाने की घटनाओं से अब नगरपालिका का दमकल अमला भी परेशान हो गया है.

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अंबाड़ी में नाले की सफाई

सलामतपुर, 10 मई. सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम अंबाड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अयोध्या धाम मंदिर के पास जनसहयोग से नाले की सफाई कराई गई.यह कार्य गजेंद्र चौकसे के सहयोग से किया गया.

बताया गया कि नाले के समीप से पेयजल सप्लाई की पाइपलाइन गुजर रही है.गंदगी और जल प्रदूषण की आशंका को देखते हुए नाले की सफाई आवश्यक मानी गई, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया।सफाई कार्य के दौरान सरपंच प्रतिनिधि रमेश कुमार, सहायक सचिव पंकज बेदी सहित ग्राम के अन्य लोग मौजूद रहे.ग्रामीणों ने स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता का संदेश भी दिया.

अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही है बीना नदी

▸ खुदाई में निकले पत्थर-मलबा नदी में डाला

गैरतगंज, 10 मई. गैरतगंज नगर के बीच बहने वाली बीना नदी अब अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही है. वर्षों से यह नदी लोगों की आस्था, पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन का केंद्र बनी हुई है, लेकिन आज यही नदी धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है.

स्थानीय नागरिकों के अनुसार नगर में मेन रोड भोपाल- सागर पर 5 किलोमीटर मे 4 लेन के चौड़ीकरण के दौरान निर्माण एजेंसी द्वारा पुल निर्माण किया गया जिसकी खुदाई में निकली मिट्टी पत्थरों के बीच नदी में ही जगह-जगह ढेर लगा दिए. जिससे भारी बारिश के दौरान नदी में मिट्टी पत्थर से होने से वह अपना अस्तित्व को खो देगी. नदी में सैकड़ों डंफर मिट्टी और मलबा डाल दिया गया है.नए पुलों के दोनों ओर के मोहरे बंद हैं और मंदिर घाट तक नदी का प्राकृतिक मार्ग प्रभावित हो चुका है.पहले लगभग 7 फीट गहरी रहने वाली नदी अब स्टॉप डेम बनने के बाद महज 3 फीट तक सीमित रह गई है. यदि नदी का प्राकृतिक बहाव बाधित हुआ तो आने वाली बरसात में पानी अपना रास्ता बदल सकता है, जिससे नगर में जलभराव और नुकसान का खतरा बढ़ जाएगा. वहीं दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा लाखों रुपये खर्च कर घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है.नागरिकों का कहना है कि जब नदी ही सुरक्षित नहीं बचेगी तो घाट निर्माण का उद्देश्य भी अधूरा रह जाएगा. पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक नागरिकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नदी में डाले गए मलबे को तत्काल हटाया जाए. सड़क चौड़ीकरण, निर्माण कार्यों की जांच हो और बीना नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं.

अनदेखी ▸ स्तूप क्षेत्र में नहीं है बिजली की व्यवस्था, पर्यटक होते हैं परेशान

सवा करोड़ की लागत से बना सतधारा स्तूप सीसी रोड हुआ खराब

अदनान खान

सलामतपुर, 10 मई.पर्यटन स्थल सतधारा स्तूप पहुंचने के लिए जो सीसी मार्ग सवा करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया था, वह पूरी तरह से खराब हो चुका है. इसकी गिट्टियां तक उखड़ चुकी है. वहीं सतधारा स्तूप क्षेत्र में बिजली पानी की भी व्यवस्था नही है.जिसकी वजह से पर्यटक परेशान हैं.

भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 रोड से सतधारा स्तूपों की दूरी लगभग 7 किलोमीटर है.यहां पर जाने के लिए सवा करोड़ रुपए की लागत से नहर से लगकर सीसी रोड बनाया गया था.वह घटिया निर्माण के चलते जगह-जगह से खराब हो गया है. स्तूप परिसर में बिजली लाइट की व्यवस्था नही है.यहां पर रात भर सिर्फ 1 सोलर लाइट के भरोसे सुरक्षा व्यवस्था की जाती है. पर्यटन विभाग को इस और ध्यान देकर सतधारा स्तूप क्षेत्र की व्यवस्थाएं बेहतर करनी चाहिए.

गौरतलब है कि प्रदेश में बौद्ध स्तूपों की बात हो तो सांची के अलावा दूसरा नाम ही नहीं सूझता जबकि यही खासियत सतधारा स्तूप की भी है.इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों में शामिल तो किया गया है.लेकिन प्रचार प्रसार के अभाव के चलते ये बौद्ध स्तूप वीरान पड़े हुए हैं.वहीं वर्ष 92 में यूनेस्को द्वारा यहां के विकास के लिए सर्वप्रथम 50 लाख रुपए की राशि दी गई थी.जिससे मात्र एक बाहरी दीवार व सीढ़ियां बनाई गईं और इस निर्माण पर भी यूनेस्को ने आपत्ति दर्ज कराई थी.उसके बाद कई बार करोडों रुपए की राशि विकास के लिए आई.और उस राशि से सतधारा बौद्ध स्तूप क्षेत्र में कई कार्य करवाए हैं.उसके बाद भी सतधारा बौद्ध स्तूपों को सांची जैसी प्रसिद्ध नही मिल पाई.

पुरातत्व विभाग नहीं कर रहा प्रचार-प्रसार

सतधारा स्तूप की प्रसिद्धि और यहां सुविधाओं के नाम पर कोई ठोस प्रयास नहीं किया जा रहा है. पुरातत्व विभाग सतधारा के स्तूपों का अच्छे से प्रचार-प्रसार नहीं कर रहा है .वहीं यूनेस्को द्वारा प्रदत राशि से किया गया निर्माण कार्य भी संतोषजनक नहीं है .वर्ष 99 में हुए इस जीर्णोद्धार के बाद जनवरी 2005 में यूनेस्को के पुरा-विशेषज्ञों के दल ने इस पर असंतुष्टि जताते हुए इस को तोड़कर दोबारा निर्माण करने के निर्देश दिए थे .एक विचित्र स्थिति यह भी है कि उक्त भूमि पहले वन विभाग के अधीन थी .काफी समय बाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ट्रांसफर हुई है .यहां बिजली, संचार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है .पुरातत्व विभाग द्वारा प्रशासन को कई बार पत्र लिखे जाने के बावजूद भी यहां पर व्यवस्थाएं नहीं सुधरी है .

इनका कहना है

2018 में सतधारा स्तूप तक सीसी सड़क का घटिया निर्माण किया गया था .जो समय सीमा पूरी होते ही जगह -जगह से उखड़कर खराब हो गया है . कई बार स्थानीय ग्रामीणों ने शिकायत के माध्यम से समस्या जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाई लेकिन समस्या का समाधान नही हुआ .

रघुवीर मीणा, सरपंच रातातलाई

अमोदा से सतधारा स्तूप तक लगभग 3.358 किलोमीटर लंबाई की 1 करोड़ 22 लाख रुपए की लागत से सड़क बनाई गई थी .पांच वर्ष की गारंटी समाप्त होते ही सड़क का एक हिस्सा टूट गया .

जसवंत तोमर, ग्रामीण गाडरखेड़ी

माता-पिता की प्रेरणा से देश सेवा का रास्ता चुना

▸ बेगमगंज एसडीओपी सोनाली ने कहा

बेगमगंज, 10 मई. एसडीओपी सोनाली गुप्ता ने मातृ दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने माता -पिता की प्रेरणा से देश सेवा का रास्ता चुना ओर मां ने इस मुकाम तक पहुंचाने में बहुत मदद की.

नवभारत प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा और मां का फर्ज ये दोनों ही जिम्मेदारियां निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और साहस की मांग करती हैं. जब एक महिला पुलिसकर्मी इन दोनों भूमिकाओं को एक साथ निभाती है, तो वह 'सुपर कॉप' और 'सुपर मॉम' का एक मिसाल पेश करती है. मेरे परिवार और मेरी मां के सहयोग से मैंने दोनों ही फर्ज बहुत अच्छे से निभा रही हूं. मेरा डेढ़ बर्ष का बेटा है उसकी परवरिश ओर पुलिस सेवा दोनों ही सेवा निःस्वार्थ भाव से निभा रही हूं. उन्होंने कहा कि महिला पुलिस अधिकारियों के लिए वर्दी पहनकर देश की सेवा करना और साथ ही अपने बच्चों की परवरिश करना एक कठिन, लेकिन प्रेरणादायक संतुलन है.